

TAGORE DAY

Rabindranath Tagore in one of his poems wrote, 'Maybe a hundred years hence, someone will read this poem of mine and remember me!'

Class I and II students did just what Tagore wished for more than a hundred years back. They enacted his childhood with great emotions and energy; sang his songs in perfect harmony; and, danced to the songs with amazing grace!

Tagore would surely have been proud of our little artistes, who paid him their tribute with respect and love!



गुरुदेव का सम्मान हिन्दी में

टैगोर के जन्मदिवस ७ मई से लेकर पूरे सप्ताह बच्चों ने उनकी लिखी कहानियों को सुना और उनके जीवन से संबंधित चित्र देखे ।

इसी क्रम में कक्षा एक के बच्चों ने रवीन्द्र संगीत पर नृत्य किया और सुन्दर गायन प्रस्तुत किया । कक्षा दो के बच्चों द्वारा टैगोर के बाल जीवन पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गयी । बच्चों के उत्साह और आत्मविश्वास से भरे अभिनय ने सभी को प्रभावित किया । इस प्रकार ज्ञान और आनन्द से भरा था पूरा सप्ताह ।

